सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

प्रेरणा

"दूसरों से नहीं, कल वाले खुद से मुकाबला करो।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	29°	16°
शनिवार	31°	17°
रविवार	29°	17°
सोमवार	34°	19°
मंगलवार	37°	21°
बुधवार	39°	22°
वीरवार	38°	21°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 20 MARCH TO 26 MARCH 2026 • VOLUME 35 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

चंडीगढ़ सेक्टर 9 हत्याकांड में शामिल दो शूटर गिरफ्तार

डीजीपी गौरव यादव ने कहा- आरोपी गैंगस्टर लक्की पटियाल के मुख्य सहयोगी

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने स्पेशल टास्क फोर्स, हरियाणा (करनाल यूनिट) के साथ संयुक्त ऑपरेशन के दौरान गुरुवार को कैथल में संक्षिप्त गोलीबारी के बाद चंडीगढ़ सेक्टर 9 हत्या कांड में शामिल दो शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके कब्जे से तीन आधुनिक हथियार बरामद किए हैं। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान राजन उर्फ पियूष पहलवान निवासी फिरोजपुर और प्रीतम शाह निवासी नवांशहर के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में .30 बोर का पीएक्स-5 पिस्तौल, .30 कैलिबर का चीनी पिस्तौल और .32 कैलिबर का पिस्तौल सहित गोलियां-कारतूस शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, बुधवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 9 में पीड़ित चरणप्रीत सिंह उर्फ चीनी को दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी बंबीहा गैंग के भगोड़े गैंगस्टर लक्की पटियाल के मुख्य सहयोगी हैं। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से यह भी पता चला है कि राजन उर्फ पियूष पहलवान जीवनजोत सिंह उर्फ जुगनू के ड्राइवर यादविंदर सिंह की हाई-प्रोफाइल हत्या में भी वांछित है। डीजीपी ने बताया कि एजीटीएफ पंजाब ने पूरे मॉड्यूल का पर्दाफाश कर दिया है और 30 घंटों से भी कम समय में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने आगे बताया कि इस मामले की जांच जारी है।

एजीटीएफ के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजीपी) प्रमोद बान ने बताया कि घटना के बाद, एजीटीएफ ने इस मामले में शामिल आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए डीआईजी एजीटीएफ गुरमीत सिंह चौहान की निगरानी में तुरंत एक विशेष ऑपरेशन "ओपीएस साइलेंट ट्रिगर" शुरू किया। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान, आरोपियों ने एसपी एजीटीएफ बिक्रमजीत सिंह बराड़ की अगुवाई वाली पुलिस टीमों पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपी घायल हो गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। एडीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ से यह भी पता चला है कि आरोपी पियूष अपने विदेशी हैंडलर के निर्देशों पर हत्या को अंजाम देने के लिए मलेशिया से नेपाल के रास्ते आया था।

सामान्य रहेगी एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई, 94% बुकिंग अब ऑनलाइन : पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार को इस बात पर ज़ोर दिया कि देश में कोई भी एलपीजी वितरक फिलहाल आपूर्ति की कमी की स्थिति का सामना नहीं कर रहा है, घरेलू आपूर्ति और सिलेंडर वितरण निर्धारित समय पर जारी हैं। पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में बोलते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि हालांकि समग्र क्षेत्रीय स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, लेकिन घरेलू उपभोक्ता सेवाएं स्थिर और निर्बाध बनी हुई हैं। शर्मा ने कहा कि एलपीजी के मुद्दे पर, मैं फिर से दोहराना चाहूंगा कि स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। हालांकि, फिलहाल किसी भी एलपीजी वितरक को कमी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। सभी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की आपूर्ति और सिलेंडर वितरण सामान्य रूप से जारी है। मंत्रालय ने डिजिटल बदलावों में महत्वपूर्ण प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 94 प्रतिशत सिलेंडर बुकिंग अब ऑनलाइन की जा रही हैं, जबकि डिलीवरी प्रमाणीकरण कोड प्रणाली 76 प्रतिशत तक कारगर साबित हुई है। व्यावसायिक संचालन के संबंध में शर्मा ने बताया कि शुरुआत में आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई थी लेकिन अब आंशिक रूप से बहाल हो गई है। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक एलपीजी के संदर्भ में, लगभग 17 राज्य सरकारों द्वारा आवंटन आदेश जारी किए जा चुके हैं और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है।

राष्ट्रपति ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर रामलला के दर्शन किए

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर राम लला के दर्शन किये। उन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर के भीतर विभिन्न स्थानों पर दर्शन एवं आरती की और श्री राम यंत्र स्थापना और पूजन भी किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि अयोध्या नगरी की पवित्र धूलि का स्पर्श करना ही उनका परम सौभाग्य है, यह वही पवित्र नगरी है जहां प्रभु श्री राम का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि चैत्र शुक्ल संवत्सर 2083 के प्रारंभ और नवरात्रि के पहले दिन यहां उपस्थित होना उनके लिए वास्तव में एक सौभाग्य है।

सीमा पार से चल रहे हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़/अमृतसर

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने नाबालिग सहित छह आरोपियों को सात आधुनिक पिस्तौलों समेत गिरफ्तार कर सीमा पार से चल रहे एक हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गांव बुरज के गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (27), बटाला के सुंदर नगर के मनीष कुमार उर्फ जैरी (24), अमृतसर के गांव चूचकवाल के सरूप सिंह उर्फ रूप (27), अमृतसर के गांव फतेहपुर राजपूता के चमकौर सिंह (20) और तरनतारन के भिखीविंड के वंश शर्मा (23) के रूप में हुई है। बरामद हथियारों में पांच 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और दो .30 बोर पिस्तौल शामिल हैं।

पुलिस कमिश्नर अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने योजनाबद्ध तरीके से एक नाबालिग समेत गुरप्रीत उर्फ गोपी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल बरामद किए। पूछताछ के दौरान हुए खुलासे के आधार पर उसके साथियों मनीष उर्फ जैरी, सरूप उर्फ रूप और चमकौर सिंह को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से तीन और 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल बरामद किए गए।

ईरान पर होगा अब तक का सबसे बड़ा हमला : हेगसेथ

वाशिंगटन. अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने गुरुवार को कहा कि ईरान को एक बार फिर सबसे बड़े हमले का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि खाड़ी युद्ध अमेरिका की शर्तों पर ही समाप्त होगा और वाशिंगटन अपने मिशन को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अमेरिकी सेना अब तक ईरान में 7,000 से अधिक ठिकानों पर हमला कर चुकी है और गुरुवार को भी पिछले दिन की तरह ही "सबसे बड़ा हमला" किया जाएगा। उन्होंने कहा, "हमारी क्षमताएं लगातार बढ़ रही हैं, जबकि ईरान की क्षमताएं लगातार कम हो रही हैं।" उन्होंने आगे कहा कि ईरान की हवाई रक्षा प्रणालियां पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी हैं। हेगसेथ ने कहा कि खारग द्वीप पर ईरान की सैन्य क्षमताओं पर हमले से अमेरिका को देश के भाग्य पर नियंत्रण मिल जाता है।

विजिलेंस ब्यूरो ने इंस्पेक्टर को 18,000 रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान, जिला फरीदकोट की जैतो मंडी में स्थित वेयरहाउस में तैनात वेयरहाउस इंस्पेक्टर नरेश कुमार गोयल को 18,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव घणिया, जिला फरीदकोट के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत विजिलेंस ब्यूरो के थाना फिरोजपुर में मामला दर्ज किया गया है और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

यूट्यूबर एल्विश यादव को राहत, एफआईआर रद्द

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यूट्यूबर एल्विस यादव के खिलाफ 2023 के सांप के जहर के मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर और सभी संबंधित कार्यवाही को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मौजूदा स्थिति में यह मामला कानूनी रूप से टिक नहीं सकता। जस्टिस एमएम सुंदरेश और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने एक अहम मुद्दे पर प्रकाश डाला। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत शिकायत किसी अधिकृत व्यक्ति द्वारा दर्ज नहीं की गई थी। बेंच ने कहा कि सिर्फ इसी बात से कार्यवाही अव्यवहारिक हो जाती है। बेंच ने एल्विस यादव से संबंधित एफआईआर में लगे आईपीसी के आरोपों पर भी गौर किया। बेंच ने कहा कि ये आरोप गुरुग्राम में पहले दर्ज एक मामले से जुड़े हैं, जिसमें पहले ही क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। इससे यादव के खिलाफ उन धाराओं को लागू करने का आधार कमजोर हो जाता है।

एनडीपीएस के पहलू पर, अदालत ने एक और टिप्पणी की। उसने कहा कि सह-आरोपी से बरामद तरल पदार्थ, जिसे विष-रोधी बताया गया है, अधिनियम की अनुसूची में प्रतिबंधित पदार्थ के रूप में सूचीबद्ध नहीं है।

बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा चुनाव आयोग : ममता बनर्जी

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनावों से पहले बंगाल को अनुचित रूप से निशाना बनाए जाने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव अधिसूचना जारी होने से पहले ही शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों सहित 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से हटा दिया गया है। बनर्जी ने इस कदम को "राजनीतिक हस्तक्षेप" करार दिया और चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयां संस्थागत निष्पक्षता को कमजोर करती हैं और राज्य में चुनावों के संचालन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। उधर, बीजेपी एमएलए पॉल ने टीएमसी और वामपंथियों दोनों की आलोचना करते हुए उन पर तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। ये टिप्पणियां चुनावों से पहले पार्टियों के बीच बढ़ते जुबानी जंग को और हवा देती हैं।

भारत स्मार्ट प्रोटीन और बायो-आधारित उत्पादों के लिए समर्पित इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है : डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय मंत्री ने मोहाली के नेशनल एग्री-फूड एंड बायोमैन्युफैक्चरिंग इंस्टीट्यूट में 42 करोड़ रुपये की बायोफाउंड्री का शिलान्यास किया

• जालंधर ब्रीज. मोहाली

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज मोहाली में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत पहली बार समर्पित बायोफाउंड्री केंद्र का शिलान्यास किया, जिसकी अगले दो वर्षों में लगभग 42 करोड़ रुपए की व्यवस्था है। यह सुविधा कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत बायोमैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं को विकसित करने और स्केल करने के लिए एक राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित की जा रही है, जिसमें स्मार्ट प्रोटीन, बायो-इनपुट्स और बायो-आधारित उत्पाद शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि यह केंद्र प्रयोगशाला अनुसंधान को औद्योगिक स्तर के अनुप्रयोगों से जोड़ेगा और भारत की बायोइकोनॉमी को मजबूत करेगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि नेशनल एग्री-फूड एंड बायोमैन्युफैक्चरिंग इंस्टीट्यूट (एनएबीआई) भारत के जैव प्रौद्योगिकी परिदृश्य में एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभरा है, विशेष रूप से वैज्ञानिक अनुसंधान को कृषि, खाद्य और पोषण के समाधानों में परिवर्तित करने में। उन्होंने कहा कि संस्थान का जीनोमिक्स, माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी, फूड साइंस और बायोइनफॉरमेटिक्स में कार्य सीधे पोषण सुरक्षा, सतत कृषि और एग्री-फूड सिस्टम्स में मूल्य संवर्धन में योगदान दे रहा है। केंद्रीय मंत्री बीआरआईसी-नेशनल एग्री-फूड एंड बायोमैन्युफैक्चरिंग इंस्टीट्यूट (एनएबीआई), मोहाली में एक समारोह को संबोधित कर रहे थे, जहाँ उन्होंने बायोमैन्युफैक्चरिंग वर्कशॉप 4.0, "स्मार्ट प्रोटीन फोरम 2026", बायोफाउंड्री का शिलान्यास समारोह और बीआरआईसी-एनएबीआई फाउंडेशन डे समारोह सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम में देश भर के प्रमुख वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग प्रतिनिधियों और नवप्रवर्तकों ने भाग लिया। मंत्री ने कहा कि वैश्विक प्रोटीन मांग में वृद्धि और पर्यावरणीय चिंताओं के कारण वैकल्पिक और सतत समाधानों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि माइक्रोबियल फर्मेंटेशन, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी और सिंथेटिक बायोलॉजी के माध्यम से विकसित स्मार्ट प्रोटीन भोजन के भविष्य के लिए एक स्केलेबल और सतत मार्ग प्रदान करते हैं।

पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के सातवें 'ट्रांसप्लांट सर्जरी ओरेशन' में प्रो. प्रांजल मोदी ने भरा जोश

राष्ट्रीय सम्मेलन में परिवारों ने साझा की अंगदान की भावुक कहानियां

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ ने 'इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसप्लांट सर्जन्स' के दूसरे वार्षिक सम्मेलन के हिस्से के रूप में 7वें ट्रांसप्लांट सर्जरी ओरेशन की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के प्रमुख विशेषज्ञों, प्रशिक्षुओं और परिवारों ने शिरकत की, जहाँ अंग प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांटेशन) के क्षेत्र में हुई प्रगति और इसके पीछे की मानवीय कहानियों पर प्रकाश डाला गया। गुजरात यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रांसप्लांटेशन साइंसेज के कुलपति प्रो. प्रांजल मोदी ने "सिविल अस्पताल से ट्रांसप्लांट यूनिवर्सिटी तक: दृष्टि, दृढ़ता और नेतृत्व की एक यात्रा" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने सिविल अस्पताल अहमदाबाद को एक अत्याधुनिक ट्रांसप्लांट केंद्र में बदलने के अपने उल्लेखनीय अनुभव साझा किए, जहाँ अब किडनी, लिवर और पैनक्रियाज का सफल प्रत्यारोपण किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्यारोपण किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि एक प्रशिक्षित टीम का सामूहिक प्रयास है। प्रो. मोदी ने बताया कि निरंतर प्रयासों के कारण 231 मृत दाताओं से लगभग 995 अंग और ऊतक (टिशू) दान प्राप्त करना संभव हो पाया है। उन्होंने रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट को सर्जिकल इनोवेशन का भविष्य बताया।

उल्लेखनीय है कि प्रो. मोदी ने रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट की शुरुआत की है और उनके पास दुनिया में इसका सबसे बड़ा अनुभव है। उन्हें यूनाइटेड किंगडम सहित दुनिया के विभिन्न केंद्रों में 'मिनिमली इनवेसिव' किडनी ट्रांसप्लांट शुरू करने के लिए आमंत्रित किया गया है। सभा का स्वागत करते हुए पीजीआईएमईआर के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने कहा, "ऐसे प्रतिष्ठित व्याख्यान शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं और वैश्विक स्तर के ट्रांसप्लांट कार्यक्रम बनाने की भारत की क्षमता की *पुष्टि करते हैं।" रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी के प्रमुख प्रो. आशीष शर्मा ने प्रो. मोदी की यात्रा को "दृढ़ता और नेतृत्व का एक ऐसा मॉडल बताया जो चिकित्सकों और युवा प्रशिक्षुओं को प्रेरित करता रहेगा।" कार्यक्रम का समापन डीन (अकादमिक) प्रो. आरके राठो द्वारा अभिनंदन और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। सम्मेलन के दौरान शरीर रचना विभाग के सहयोग से अंग निकालने पर एक 'कैडेवर वर्कशॉप', डायलिसिस एक्सेस पर सेमिनार और अंगदान व जीवन के अंतिम समय की देखभाल पर चर्चा की गई। इसमें 180 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और भारत में प्रत्यारोपण के भविष्य को आकार देने वाली आधुनिक तकनीकों, नैतिक मुद्दों और नवाचारों पर विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधियों ने सर्जरी में रोबोटिक्स की भूमिका, अंगदान बढ़ाने की रणनीतियों और सरकारी अस्पतालों में मजबूत व्यवस्था निर्माण के महत्व पर भी चर्चा की।

चारधाम और कुंभ मेले में क्रिमिनल्स को नहीं घुसने देगा एआई, ऐसे होगी पहचान

Travelling

इस साल चारधाम यात्रा मार्गों और कुंभ क्षेत्र को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चेहरा स्कैन करने वाले कैमरों से लैस किया जा रहा है, ताकि अपराधी न घुस पाएं।

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

उत्तराखंड में होने वाली चारधाम यात्रा और आगामी कुंभ मेले की सुरक्षा को अभूतपूर्व स्तर पर मजबूत करने की तैयारी शुरू हो गई है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच अपराधियों की पहचान करना अब आसान होगा, क्योंकि यात्रा मार्गों और कुंभ क्षेत्र में एआई आधारित फेस रिकग्निशन कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन हाईटेक कैमरों की मदद से भीड़ में शामिल किसी भी संदिग्ध या अपराधी की पहचान कुछ ही सेकंड में हो सकेगी और तुरंत पुलिस को अलर्ट मिल जाएगा।

भीड़ में अपराधियों की पहचान होगी आसान : चारधाम यात्रा के दौरान हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु उत्तराखंड पहुंचते हैं। इतनी बड़ी भीड़ में अपराधियों की पहचान करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए हमेशा चुनौती रहा है। नई तकनीक लागू होने के बाद यह समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। यात्रा मार्गों, प्रमुख पड़ावों, बस अड्डों, पार्किंग स्थलों और कुंभ क्षेत्र में लगाए जाने वाले कैमरे एआई तकनीक से लैस होंगे, जो भीड़ में चलते-फिरते लोगों के चेहरों को स्कैन कर डेटाबेस से उनका मिलान करेंगे।

कई एजेंसियों के डाटा से जुड़े होंगे कैमरे : इस सिस्टम को अपराधियों के डाटा पोर्टल चित्रखोजी, नेटग्रिड, इंटेलिजेंस ब्यूरो और जेल विभाग के सर्वर से जोड़ा जाएगा। जैसे ही कोई जमानत पर छूटा गंभीर अपराधी, वांटेड आरोपी, संदिग्ध या आतंकी कैमरे की नजर में आएगा, एआई तकनीक उसके चेहरे का मिलान डेटाबेस से कर लेगी।

यदि चेहरा डेटाबेस में मौजूद किसी अपराधी से मेल खाता है तो कंट्रोल रूम में तुरंत अलर्ट सायरन बज जाएगा और नजदीकी पुलिस टीम को तुरंत सूचना मिल जाएगी। इससे संदिग्ध व्यक्ति को भीड़ में गायब होने से पहले ही पकड़ना संभव हो सकेगा।

केंद्र और राज्य सरकार के निर्देश पर योजना : पुलिस अधिकारियों के अनुसार देवभूमि में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह हाईटेक सुरक्षा योजना तैयार की गई है। यह योजना केंद्रीय गृह मंत्रालय और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर बनाई गई है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह परियोजना चारधाम यात्रा और कुंभ मेले की सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से लैस करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बिना रोके-टोके होगी पहचान : इस प्रणाली की खासियत यह है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की जांच के लिए रोकने या पूछताछ करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कैमरे स्वतः ही लोगों के चेहरों को स्कैन करते रहेंगे। जैसे ही किसी संदिग्ध का चेहरा डेटाबेस से मैच होगा, कंट्रोल रूम और आसपास मौजूद पुलिस टीम को रियल टाइम अलर्ट मिल जाएगा। इसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस टीम तुरंत कार्रवाई कर सकेगी।

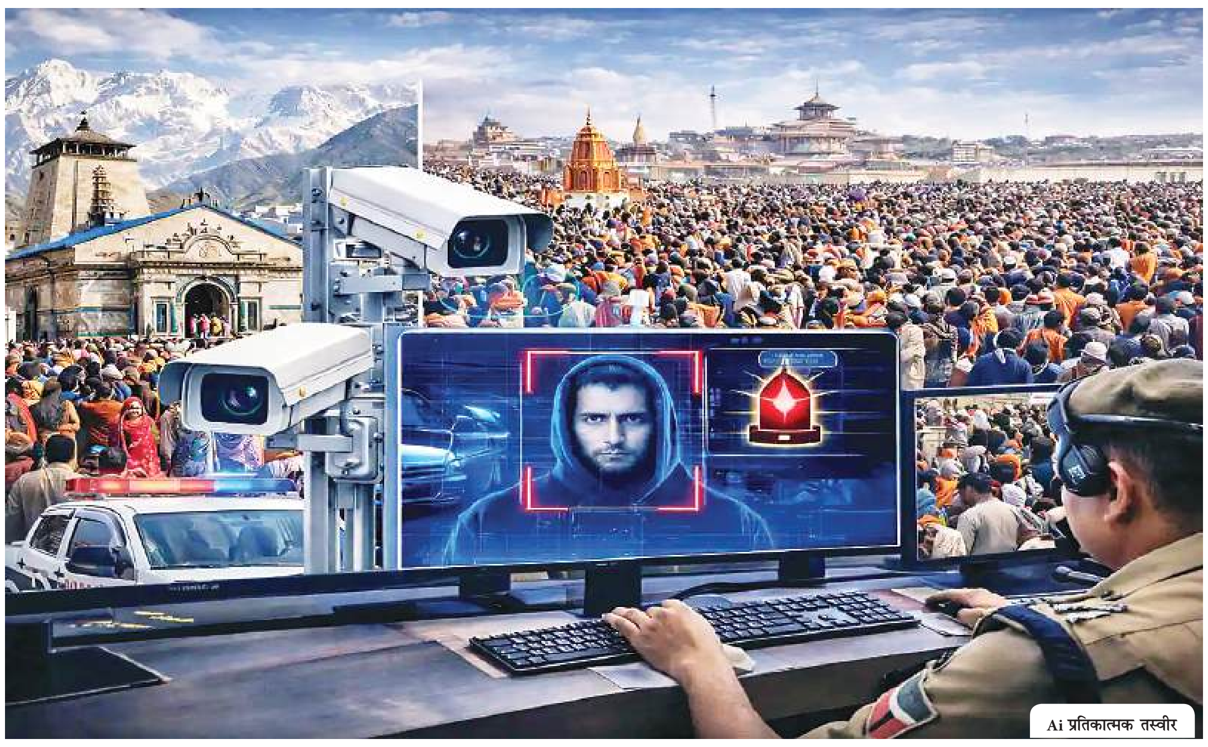
Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

पुलिस विभाग ने यात्रा मार्गों और कुंभ क्षेत्र में ऐसे कैमरे लगाने के लिए संभावित स्थानों का स्थलीय निरीक्षण भी शुरू कर दिया है। कितने कैमरों की जरूरत होगी और किन-किन स्थानों पर इन्हें लगाया जाएगा, इसका आकलन किया जा रहा है। गढ़वाल रेंज के आईजी राजीव स्वरूप ने बताया कि चारधाम यात्रा और कुंभ मेले को सुरक्षित बनाने के लिए चेहरा स्कैन करने की तकनीक वाले एआई आधारित कैमरे लगाए जाएंगे। चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम इस पर तेजी से काम कर रहा है।

LIFESTYLE

पेट की थुलथुली चर्बी हो जाएगी गायब! रोजाना खाली पेट 100 बार करें ये एक्सरसाइज, फिटनेस कोच ने बताया

बेली फैट कम करने के लिए लोग डायटिंग से लेकर वर्कआउट तक सब करने को तैयार रहते हैं। बेली फैट के कारण शरीर का लुक खराब दिखता है, खासतौर पर बच्चे के होने के बाद औरतें इससे परेशान रहती हैं। इसे कम करने के लिए बस आपको 1 एक्सरसाइज करनी होगी...

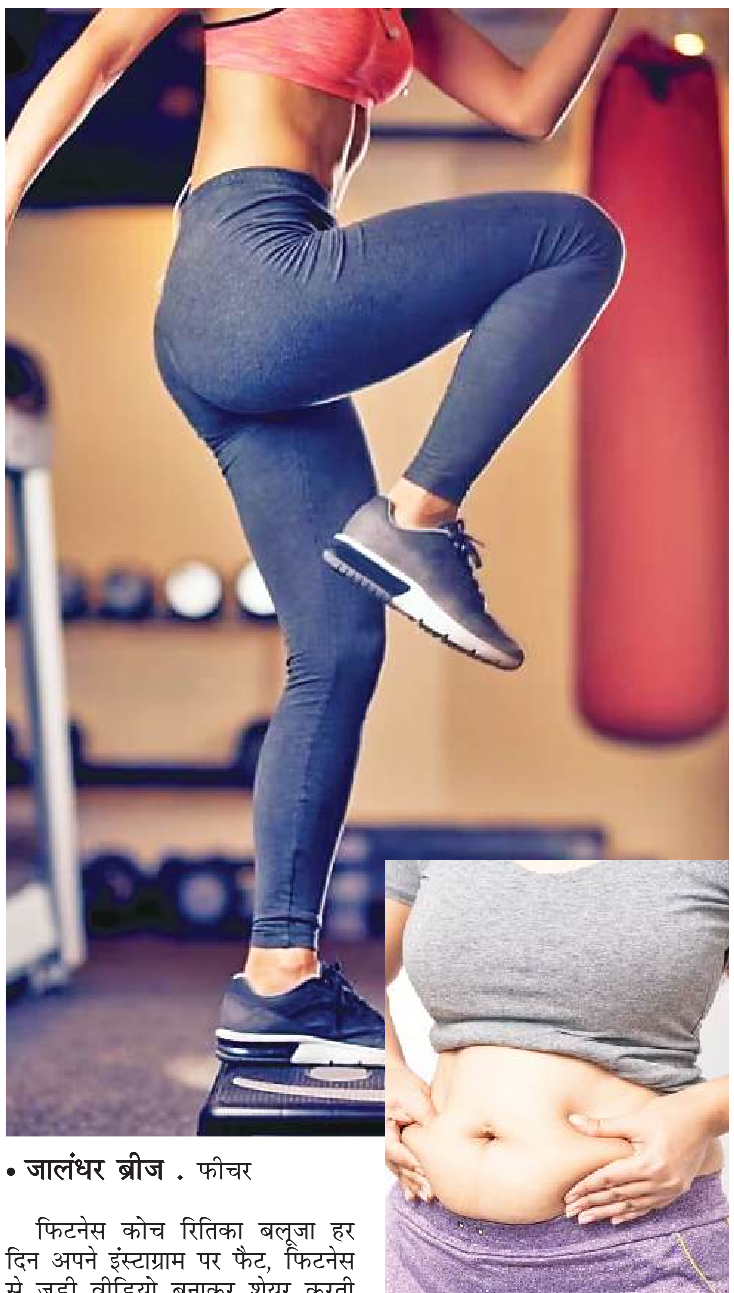

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

फिटनेस कोच रितिका बलूजा हर दिन अपने इंस्टाग्राम पर फैट, फिटनेस से जुड़ी वीडियो बनाकर शेयर करती रहती हैं। उन्होंने खुद सभी एक्सरसाइज को आजमाकर देखा है और कुछ दिनों में अपना वजन कम किया है। सिर्फ यही नहीं उनका कहना है कि हाथ, पैर, कमर, पेट, जांघ की बढ़ी हुई चर्बी भी कम हो जाएगी, अगर आप सही से एक्सरसाइज करेंगे। अब उन्होंने नाभि के नीचे की चर्बी (बेली फैट) को कम करने के लिए एक असरदार और सरल एक्सरसाइज बताई है। उनके पोस्ट पर आए कमेंट में लोगों ने इसे करने के बाद फायदा हुआ है, ऐसा लिखा भी है। तो क्यों न आप भी बेली फैट को गायब करने के लिए इसे करके देख लें।

बेली फैट की समस्या

बच्चा होने के बाद औरतों को बेली फैट कम करने में सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। इसके लिए औरतें गर्म पानी से लेकर कई कठिन एक्सरसाइज तक सब करके देख लेती हैं। तो वही कुछ औरतों का पेट ऐसे भी निकल आता है, जो देखने में खराब लगता है। बेली फैट किसी भी टाइट कपड़ों पर साफ दिखाई देता है, जो लुक को भी बिगाड़ देता है।

लेग अप-डाउन एक्सरसाइज

आपको बेली फैट से छुटकारा पाने के लिए लेग अप-डाउन एक्सरसाइज करनी है। दीवार को सहारे के लिए पकड़ लें और थोड़ा तेजी से सीढ़ी चढ़ने वाली अवस्था में पैर ऊपर-नीचे रखें। ये एक्सरसाइज आपको थोड़ा तेजी में करनी होगी, जिससे पेट की चर्बी पर फर्क पड़े। डिलीवरी के फौरन बाद औरतें ये एक्सरसाइज न करें और जब भी करना शुरू करें, अपनी डॉक्टर से सलाह लें। इस एक्सरसाइज को डिलीवरी के 6-7 महीने बाद करना सुरक्षित हो सकता है।

कितनी बार करें

इस एक्सरसाइज को खाली पेट करना है और वो भी गिनते हुए 100 बार रोजाना। जी हां, 100 बार इसे डेली करना है, तभी आपको कुछ असर दिखेगा। आप इसे 50-50 में काउंट करते हुए कर सकती हैं। 15-20 दिन करते हुए ही आपको फर्क नजर आने लगेगा। फिर आप इसे कुछ दिनों तक और लगातार करें।

डिस्क्लेमर : इस लेख में किए गए दावे यूट्यूब वीडियो और इंटरनेट पर मिली जानकारी पर आधारित हैं। जालंधर ब्रीज इसकी सत्यता और सटीकता की जिम्मेदारी नहीं लेता है।

स्वाद में लाजवाब बनेगा सांभर, देखिए आसान और फटाफट बनने वाली रेसिपी

साउथ इंडियन खाने की जान सांभर घर पर भी बनाया जा सकता है। यहां हम फटाफट और आसानी से बनने वाली सांभर की रेसिपी बता रहे हैं जिससे सांभर लाजवाब बनेगा।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

साउथ इंडियन खाने में सांभर जरूर होता है। स्वाद के साथ ही सांभर में पौष्टिक गुण भी होते हैं। यही वजह है कि इसे पूरे भारत में खूब पसंद किया जाता है। रेस्ट्रा में मिलने वाला सांभर खट्टा-मीठा होता है। इस तरह के स्वाद वाले सांभर को आप घर पर भी तैयार कर सकते हैं। यहां सीखिए सांभर बनाने की आसान और फटाफट रेसिपी।

सांभर बनाने के लिए चाहिए ये चीजें

साभर में वैसे को कई तरह की सब्जियों को डाल सकते हैं। लेकिन जो सब्जी मैं सांभर बनाने के लिए इस्तेमाल करती हूं वह है कद्दू(सीताफल), लौकी, बैंगन, बींस,सहजन की फली, प्याज, टमाटर और भिंडी। सब्जियों के अलावा चाहिए अरहर की दाल, कड़ी पत्ता, नमक, मिर्ची पाउडर, धनिया पाउडर, सांभर मसाला, घी, साबुत लाल मिर्ची, राई।

सबसे पहले करें ये काम

सांभर बनाने के लिए सबसे पहले सब्जियों को अच्छी तरह से धोकर काट लें। आप अपनी पसंद के मुताबिक सब्जियों को काटें। कुछ लोग सांभर में बड़ी-बड़ी सब्जियां खाना पसंद करते हैं तो कुछ लोग बहुत बारीक सब्जी सांभर में डालते हैं। सभी सब्जियों को काटने के बाद कद्दू, लौकी, बैंगन, बींस और अरहर की दाल को कुकर में डालें और नमक हल्दी डालकर 4-5 सीटी आने तक उबाल लें। जब तक सब्जियां उबल रही हैं तब तक छौंक तैयार करें। इसके लिए एक कढ़ाई में घी गर्म करें। इसमें राई और साबुत लाल मिर्ची डालें। फिर इसमें पहले भिंडी को सेक लें और फिर प्याज डालें। अच्छे से पकने के बाद टमाटर और थोड़ा नमक डालें।

जब टमाटर पूरी तरह गल जाए तो इसमें सभी मसाले डालें और अच्छे से भून लें। जब तक मसाला भुन रहा है तब तक कुकर की उबली सब्जियों को चेक कर लें। चाहें तो इन सब्जियों को मैश कर लें और फिर तैयार किए छोंक में डाल दें। अच्छे से मिक्स करें और जरूरत अनुसार पानी डालें। फिर इसमें सहजन की फली और कड़ी पत्ता डाल दें। सांभर को अच्छे से मिला दें और उबलने दें। अंत में इमली का पानी डालें और एक चम्मच घी डालकर सर्व करें। वैसे तो सांभर में प्याज की वजह से मीठापन आ जाता है, लेकिन आप चाहें तो इसमें थोड़ा गुड़ मिला सकते हैं।

गलत दोस्ती की संगत में ना पड़ जाए बच्चा, जरूर बता दें फ्रेंडशिप से जुड़ी बातें

PARENTING

जालंधर ब्रीज (फीचर) . 10-12 साल के बढ़ते हुए बच्चे की परवरिश कई बार मुश्किल हो जाती है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के जमाने में बच्चे उम्र से पहले की कई सारी चीजें एक्स्प्लोर करते हैं। वहीं नए-नए बन रहे दोस्त आपस में आधा-अधूरा ज्ञान बांट कर गलत रास्ते पर चलने लगते हैं।

ऐसे में पैरेंट्स के लिए बच्चों को सही-गलत की राह दिखाना मुश्किल हो जाता है। बच्चे को किसी गलत रास्ते पर जाने से रोकना है तो पहले तो उसकी संगत यानी फ्रेंडशिप को जरूर परखें।

बच्चे को सिखाएं कि किस तरह के लोगों से दोस्ती नहीं करनी है और किससे नहीं। इस काम में करेंगी आपकी ये 7 बातें, बच्चे को सिखाएं कि इन लोगों के साथ भूलकर भी दोस्ती नहीं करनी चाहिए।

1) बच्चे को समझाएं कि अगर उसका दोस्त बोलता है कि तुझे ये करना ही पड़ेगा तो समझ लेना कि ये इमोशनल प्रेशर दोस्ती नहीं बल्कि मैनीपुलेशन है।
2) अगर कोई दोस्त पढ़ने वाले बच्चे को 'बोरिंग' या 'टीचर का चमचा' बोले, तो समझ लेना कि वह तुम्हारी ग्रोथ नहीं चाहता। ऐसे दोस्त से दूर रहना चाहिए।
3) अगर तुम अपने दोस्त के साथ रहकर बदलने लगे हो,तुम्हें अब ज्यादा गुस्सा आने लगा है, तुम अक्सर रूल्स तोड़ रहे हो या ज्यादा झूठ बोल रहे हो, तो ये हेल्दी दोस्ती नही है। दोस्ती होने पर इंसान में ऐसे बदलाव नहीं आने चाहिए।
4) कोई ऐसा दोस्त जो तुम्हारे ना बोलने पर भी उसकी वैल्यू नहीं करता या तुम्हारी सेट बाउंड्रीज को हमेशा इग्नोर करता है तो ऐसे दोस्त भी तुम्हारे लिए सही नही है।
5) अपने बच्चे को समझाएं को जो दोस्त गलत होंगे वो हमेशा तुमसे वहीं चीज करने को बोलेंगे जो तुम नहीं करना चाहते। एक अच्छे दोस्त की तरह वो तुम्हारे कंफर्ट की वैल्यू नहीं करेंगे।
6) कोई दोस्त तुमसे कहे कि 'ये बात घर पर मत बताना' तो सिग्नल है कि वो दोस्त तुम्हारा अच्छा नही है। अच्छी दोस्ती में कभी घर से कुछ नही छिपाना पड़ता।
7) अगर कोई दोस्त किसी भी गलत काम को कूल बताता है, जैसे किसी का मजाक उड़ाना, रूल्स तोड़ना, झूठ बोलना तो ये दोस्त तुम्हें गलत रास्ते पर ले जा रहा है। ऐसे दोस्त के साथ दोस्ती ठीक नही है। ये गलत दोस्ती है।

***डिस्क्लेमर :** यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

मोरिंगा में होते हैं कई जरूरी पोषक तत्व, डॉक्टर ने बताया कैसे बनाएं प्रोटीन से भरपूर पराठा?

Health

सहजन और इसकी पत्तियां खाने के कई फायदे आपने खूब सुने होंगे लेकिन क्या कभी इसका पराठा बनाकर खाया है। फिजिशियन डॉक्टर ने सहजन के फायदे और उसका पराठा बनाने का तरीका बताया है।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

मोरिंगा जिसे सहजन भी कहा जाता है, इसकी सब्जी ज्यादातर लोग बनाकर खाते हैं। सहजन में कई ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। ऐसा कहा जाता है कि अगर आप सहजन खाते हैं, तो शरीर में हर कमी दूर हो सकती है। फिजिशियन डॉक्टर कोमल कुलकर्णी ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें सहजन खाने से होने वाले फायदे और मिलने वाले न्यूट्रिशन्स के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने इसमें सहजन का पराठा बनाने का तरीका भी बताया है। चलिए आपको बताते हैं कैसे बनाएं मोरिंगा का पराठा और इसके कमाल के फायदे।

कौन से पोषक तत्व होते हैं?

सहजन में विटामिन A, C, E, और B6 के साथ-साथ आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, जिंक और प्रोटीन होता है। इसे सुपरफूड माना जाता है, जिसमें 45 प्रकार के एंटी-ऑक्सीडेंट्स, 35 दर्द निवारक गुण और 17 प्रकार के एमीनो एसिड होते हैं, जो सेहत के लिए हेल्दी होते हैं।

फायदे क्या हैं?

1 सूजन कम करें- सहजन में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मददगार होते हैं। सहजन खाने से जोड़ों के दर्द, आंतों की सूजन और शरीर में किसी भी प्रकार की सूजन को कम करने में हेल्प मिलती है।

2 पाचन तंत्र- सहजन में मौजूद न्यूट्रिशन पाचन तंत्र को मजबूत करने में मददगार होते हैं। ये जल्दी हजम हो जाता है और इससे आंतों को भी डिटॉक्स करने में हेल्प होती है। जिन लोगों को पेट में दर्द, ऐंठन, गैस, एसिडिटी की समस्या होती है, उन्हें सहजन फायदा करेगा।

3 ग्लोइंग स्किन- मोरिंगा में विटामिन C की अच्छी मात्रा होती है, जिससे त्वचा पर चमक बनी रहती है और दाग-धब्बों से भी राहत मिलती है। स्किन के लिए भी सहजन काफी हेल्दी माना जाता है।

4 फैटी लिवर- आजकल हर दूसरे व्यक्ति को फैटी लिवर की समस्या है। सहजन खाने से फैटी लिवर की समस्या कम हो सकती है। ये एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण फैटी लिवर को कम करने और लिवर डिटॉक्स में बहुत फायदेमंद माना जाता है।

5 इम्यूनिटी बूस्टर- सहजन में मौजूद तत्व इम्यूनिटी को भी बेहतर करते हैं। विटामिन C, एंटीऑक्सीडेंट और आयरन से भरपूर सहजन सुपरफूड है। सहजन खाने से बच्चों से बूढ़ों तक की इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग होती है।

कैसे बनाएं पराठा?

सामग्री- सहजन, पानी, 1 कप आटा, आधा कप बेसन, अजवायन, तिल, नमक, हरी मिर्च, लहसुन, हरी धनिया, धनिया पाउडर।

सबसे पहले आपको सहजन को छोटे पीस में काटकर धो लेना है और उबलने के लिए पानी में चढ़ा दें। जब ये उबल जाए तब उसके अंदर का गूदा निकालकर अलग करें। ऊपर का कड़ा छिलका फेंक दें। 1 कप आटा और आधा कप बेसन लें और इसमें उबला हुआ सहजन, लहसुन, मिर्च और धनिया का पीसा हुआ पेस्ट, अजवायन, तिल, नमक स्वादानुसार, धनिया पाउडर मिक्स करें। इसके बाद सहजन जिस पानी में उबाला था, उस पानी से इस आटे को गूंथ लें। फिर बस जैसे आप पराठा बनाती हैं, वैसे ही हल्का घी लगाकर इसे सेंक लें। बस सहजन का पराठा बनकर तैयार हो जाएगा, इसे नाश्ते में खाएं। ये प्रोटीन से भरा ब्रेकफास्ट हो जाएगा।

उत्पादन, परिवर्तन और विविधीकरण

भारत ने किस प्रकार अपनी ऊर्जा प्रणाली को गतिशील बनाया

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

आम तौर पर, संरचनात्मक ऊर्जा परिवर्तन शायद ही कभी आरामदायक समय के दौरान होते हैं। वे तब होते हैं जब किसी संकट की लंबे समय तक अनदेखी की जाती है और उसके प्रति निष्क्रिय भाव रखा जाता है। यद्यपि, पिछले 11 वर्षों के दौरान, मोदी सरकार ने इसके विपरीत काम किया है। इसने ऊर्जा क्षेत्र में संरचनात्मक परिवर्तन किए, तब भी जब परिस्थितियां प्रतिकूल नहीं थीं। इसने भारत को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधानों को सहन करने के प्रति अधिक क्षमता निर्माण में सक्षम बनाया। मोदी सरकार ने घरेलू उत्पादन का विस्तार करके, नए ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन का प्रबंधन करके और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाकर, अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बाहरी झटकों का सामना करने में देश को अधिक सक्षम बना दिया है।

भारत के लिए इस समस्या का समाधान करने का मार्ग कभी भी मुश्किल नहीं था। आवश्यकता थी, इसे लगातार आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की। पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने अपनी योजनाओं पर बने रहने का निर्णय लिया। मोदी सरकार ने खुद को आम लोगों के प्रति जवाबदेह बनाया है, जो अपनी समस्याओं का समाधान चाहते थी। इसकी कार्यनीति तीन स्तंभों पर टिकी हुई थी और प्रत्येक ने सरकार से एक अलग तरह की प्रतिबद्धता की मांग की।

पहले कार्यनीति घरेलू उत्पादन की थी। पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिलाने की कार्यप्रणाली 2001 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आरंभ हुई थी। फिर भी कई वर्षों तक, भारत ने कोई प्रगति नहीं की और इथेनॉल उत्पादन स्थिर रहा। 2014 के बाद ही व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला के माध्यम से, भारत इस पहल की पूरी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम हुआ। मोदी सरकार के तहत, देश ने ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला आरंभ की। इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम (ईबीपी) के तहत शुरू में 2030 के लिए पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

हालांकि, 2020 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस लक्ष्य को 2025 तक विस्तारित कर दिया, क्योंकि इसने भू-राजनीतिक झटकों की स्थिति में ऊर्जा आयात के प्रति देश की निर्बलता को कम करने के लिए नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया। प्रयासों और नीतिगत फोकस के परिणामस्वरूप, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग 2014 में 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 20 प्रतिशत हो गया, जो 11 वर्षों में 13 गुना वृद्धि है। इथेनॉल उत्पादन 2014 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर जून 2025 तक 661.1 करोड़ लीटर हो गया।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम अब सालाना लगभग 44 मिलियन बैरल कच्चे तेल को विस्थापित करता है।

दूसरी कार्यनीति सही तरीके से ऊर्जा परिवर्तन करने से संबंधित थी। मोदी सरकार ने सभी स्तरों पर देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग के विकास का समर्थन किया। इसने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी, जिसने पिछले चार वर्षों में एफडीआई में 36 बिलियन डॉलर को आकर्षित किया है। प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को प्रोत्साहित करने और ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला क्षमता का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं आरंभ की गईं। भारत में (हाइब्रिड) ईवी का फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग (फेम I) 2015 में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी को अपनाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था, जिससे इस क्षेत्र का सतत विकास सुनिश्चित हो सके।

योजना के पहले चरण में, लगभग 2.78 लाख ईवी जोड़े गए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 59 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई। फेम इंडिया योजना के परिणाम और अनुभव के आधार पर, फेम का दूसरा चरण 2019 में आरंभ किया गया। हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों पर अग्रिम मूल्य में कटौती के माध्यम से उपभोक्ताओं (खरीदारों/अंतिम उपयोगकर्ताओं) को प्रोत्साहन और रियायतें प्रदान की गईं, जिससे इसे व्यापक स्तर पर अपनाने की सुविधा मिली। इस पहल ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए अधिक किफायती और सुलभ बना दिया, जिससे उन्हें अपनाने में तेजी लाने में मदद मिली। इस योजना ने 16 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर सब्सिडी दी, जिससे 42.9 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई।

इसके अतिरिक्त, इस पहल के परिणामस्वरूप, 2019-20 की तुलना में 2023-24 में भारत में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में 9.7 गुना वृद्धि हुई। वर्तमान में, भारत के ईवी बाजार में 2025-2026 में तेजी देखी जा रही है, जिसकी बिक्री 2.3 मिलियन यूनिट (कुल वाहन पंजीकरण का लगभग 8 प्रतिशत) तक पहुंच गई है।

ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में इस परिवर्तन में निर्भरता से जुड़ा जोखिम भी है। खनिज निर्भरता की जगह तेल निर्भरता के लिए बदलाव से पूर्ण ऊर्जा सुरक्षा हासिल नहीं की जा सकती। इस निर्बलता को दूर करने के लिए, मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुरक्षित करने और भारत की महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने के लिए 'राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन' आरंभ किया।

तीसरी कार्यनीति, मोदी सरकार की ऊर्जा स्रोतों और आपूर्ति भागीदारों के विविधीकरण से जुड़ी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहु-संयोजन की नीति अपनाई है, जिसने भारत को अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए कई राज्यों के साथ समानांतर, गहरे संबंध विकसित करने में सक्षम बनाया है। इस कूटनीतिक लोकसंपर्क ने भारत के क्रूड सोर्सिंग बेस को एक दशक पहले के 27 देशों से बढ़ाकर आज 40 से अधिक कर दिया है।

इन उपायों के महत्व को समझने का एक उपयोगी तरीका यह विचार करना है कि अगर ये कदम नहीं उठाए गए होते तो स्थिति कैसी दिख सकती थी। रूस-यूक्रेन युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव जैसी घटनाओं ने बार-बार प्रदर्शित किया है कि आपूर्ति श्रृंखलाएं कितनी जल्दी प्रभावित हो सकती हैं। उदाहरण के लिए विचार करें कि इथेनॉल ब्लेंडिंग जैसे घरेलू विकल्पों के विस्तार के बिना, जिसने 2014 के बाद पहले ही 190 मिलियन बैरल मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल के आयात (और 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है) को प्रतिस्थापित किया है, इस तरह के झटकों के लिए भारत का जोखिम बहुत अधिक और प्रतिकूल परिणाम होता। उस परिदृश्य में (इथेनॉल ब्लेंडिंग को प्राथमिकता नहीं देने की), वैश्विक आपूर्ति व्यवधान भारतीय घरेलू आर्थिक दबाव में बहुत तेजी से परिवर्तित हो गया होता।

बिहार से आए प्रेस डेलीगेशन ने पंजाब लोक भवन में पंजाब के गवर्नर से मुलाकात की

• जालंधर ब्रीज . चंडीगढ़

बिहार से आए एक प्रेस डेलीगेशन ने प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के मीडिया आउटरीच प्रोग्राम के तहत पंजाब के गवर्नर और यू टी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया से पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में मुलाकात की। भारत सरकार की इस पहल का मकसद पत्रकारों को अलग-अलग इलाकों में विकास की पहल, सेंट्रल स्कीम और गवर्नेंस प्रक्रियाओं के बारे में सीधे जानकारी देना है।

एक इंटरैक्टिव सेशन के दौरान, गवर्नर ने आए पत्रकारों से पंजाब और चंडीगढ़ के दौरे के दौरान अपने अनुभवों के बारे में फीडबैक मांगा। पत्रकारों ने पंजाब के प्रमुख हेरिटेज स्थानों, जैसे जलियांवाला बाग, अटारी बॉर्डर और स्वर्ण मंदिर घूमने के बाद अपने अनुभव साझा किए और राज्य की समृद्ध और आध्यात्मिक विरासत की प्रशंसा की।

चंडीगढ़ दौरे के दौरान, पत्रकारों ने चंडीगढ़ के पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स जिनमें रिन्यूएबल एनर्जी साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी, सीटीयू द्वारा संचालित पी एम ई-बस सेवा, सेक्टर-16 में सरकारी मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल, सुखना लेक, रॉक गार्डन, सेक्टर-18 में एयर फ़ोर्स म्यूज़ियम और अन्य विशिष्ट स्थानों का दौरा किया। गवर्नर ने डेलीगेशन को चंडीगढ़ में विकास प्रयासों को अधिक मज़बूत करने के लिए अच्छे सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया।

आए हुए पत्रकारों ने गवर्नर से विभिन्न विकास गतिविधियों की प्रगति पर अपनी संतुष्टि जताई और सौहार्द बातचीत और विचार साझा करने का अवसर प्रदान करने की सराहना की।

"जीवन के इस महान उपहार को मापने का कोई पैमाना नहीं"

PGIMER निदेशक प्रो. विवेक लाल ने अंगदान करने वाले परिवारों को दी श्रद्धांजलि

16 साहसी दाता परिवारों को सम्मान, जिनके निर्णय से 80 लोगों को मिला जीवन और रोशनी

• जालंधर ब्रीज . चंडीगढ़

मानवता और करुणा की भावना को नमन करते हुए PGIMER में 16 साहसी अंगदाता परिवारों को सम्मानित किया गया। इन परिवारों ने अपने व्यक्तिगत दुख के समय भी अंगदान के लिए सहमति देकर एक महान निर्णय लिया। उनके इस निर्णय से 80 लोगों का जीवन प्रभावित हुआ, जिनमें 52 गंभीर अंग विफलता से जूझ रहे मरीजों को नया जीवन मिला तथा 28 कॉर्निया अंधता से पीड़ित मरीजों की आँखों की रोशनी वापस आई।

यह सम्मान समारोह SAMARTHAN 2026 के उद्घाटन सत्र में आयोजित किया गया। यह अंगदान और प्रत्यारोपण पर आयोजित CME-cum-Workshop था, जिसका आयोजन ROTTO North, PGIMER चंडीगढ़ द्वारा किया गया। इसमें क्षेत्र के चिकित्सा विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस भावनात्मक अवसर पर पूरा सभागार खड़े होकर तालियों के साथ इन परिवारों के साहस और उदारता को नमन करता दिखाई दिया। उनके निस्वार्थ निर्णय ने अपने निजी दुख को कई मरीजों के लिए जीवन के अनमोल उपहार में बदल दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि PGIMER के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने दाता परिवारों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में PGIMER की विशेष पहचान इन परिवारों की वजह से ही संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि यदि इन परिवारों ने साहस और निस्वार्थ भाव से निर्णय न लिया होता, तो यह उपलब्धियाँ संभव नहीं थीं। उन्होंने कहा कि जीवन के इस महान उपहार को मापने का कोई पैमाना नहीं हो सकता। यह संतोष की बात है कि इन परिवारों ने दूसरों का जीवन बचाने की अपनी सबसे बड़ी इच्छा के लिए PGIMER पर भरोसा किया और संस्थान उस भरोसे पर खरा उतर सका।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO), नई दिल्ली के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि अंगों की उपलब्धता और आवश्यकता के बीच की खाई को पाटने का सबसे टिकाऊ तरीका स्वैच्छिक मृतक अंगदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

पीजीआई चंडीगढ़ में राजभाषा समारोह का आयोजन

• जालंधर ब्रीज . चंडीगढ़

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ में राजभाषा समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों को भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं संस्थान में उसके कार्यान्वयन के बारे में अवगत कराया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) प्रो. संजय जैन ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि भारत देश अनेकता में एकता की एक ऐसी मिसाल है जिसमें अनेक जातियां, संस्कृति, भाषाएं और बोलियां हैं। विवधताओं से भरे देश में राजभाषा हिन्दी देश के लोगों को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। किसी भी देश का विकास तभी संभव है जब उसके निवासी अपनी मातृभाषा में सोचें एवं काम करें। विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए हम लोगों को स्वस्थ रखने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हिंदी हमारे लिए केवल एक दायित्व नहीं है बल्कि यह देश की धड़कन से जुड़ने का एक सुगम और सरल माध्यम भी है। अतः चिकित्सा संस्थान में कार्य करने के नाते हमारी हिन्दी में काम करने के प्रति जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है क्योंकि हमारा सीधा सम्पर्क आम लोगों, जो इलाज करवाने के लिए हमारे संस्थान में आते हैं तथा रोग से भयभीत होते हैं, के साथ होता है। यदि हम उनसे हिन्दी में बात कर उन्हें उनके रोग के बारे में समझाते हैं तो उनका तनाव काफी हद तक कम हो जाता है। यही नहीं, संस्थान का कामकाज जितना हम हिन्दी में करेंगे उतनी ही हमारी परेशानी कम होगी और जनता एवं प्रशासन के बीच की दूरी उतनी ही घटेगी। पुरस्कृत कार्मिकों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा यह हम सब की जिम्मेदारी है कि हम सभी राजभाषा अधिनियमों, नियमों तथा इनके संबंध में समय-समय पर लिए गए निर्णयों का समुचित रूप से अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सद्भावना से किया जा रहा है, किन्तु राजभाषा संबंधी निदेशों का अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाना चाहिए।

डॉ. विपिन कौशल, चिकित्सा अधीक्षक महोदय ने उपस्थित कार्मिकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमारे संस्थान में कार्यरत अधिकांश कार्मिक हिंदी का अपेक्षित ज्ञान अथवा हिन्दी टाइपिंग की जानकारी रखते हैं तथा उनको हिन्दी में कार्य करने के लिए शब्दकोश, तकनीकी शब्दावलियां एवं कार्यालयी प्रयोग से जुड़ी सामग्री वितरित की हुई हैं। संस्थान के सभी कंप्यूटरों में हिन्दी टाइपिंग की सुविधा के लिए हिन्दी फोण्ट उपलब्ध है।

उन्हें संस्थान की वैबसाइट से डाउनलोड कर कंप्यूटरों में अपलोड करने की भी सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने संस्थान के सभी डॉक्टरों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से राजभाषा हिन्दी के विकास और समृद्धि को राष्ट्रीय जिम्मेदारी समझते हुए अपील की कि वे दैनिक कामकाज और व्यवहार में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग करते हुए भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को कारगर बनाने में अपना सहयोग एवं योगदान दें। उन्होंने यह भी कहा कि राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में यदि कुछ कठिनाइयां सामने आती हैं तो उनका समाधान संयम और आपसी सहयोग से किया जाए।

सीसीए पंजाब टेलीकॉम सर्किल, चंडीगढ़ द्वारा जालंधर में त्रैमासिक पेंशन अदालत एवं जीवन प्रमाण-पत्र संग्रह शिविर का आयोजन

• जालंधर ब्रीज . चंडीगढ़/जालंधर

संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग के अंतर्गत नियंत्रक संचार लेखा (CCA) कार्यालय, पंजाब टेलीकॉम सर्किल, चंडीगढ़ द्वारा 17 मार्च 2026 को जालंधर में दूरसंचार विभाग और बीएसएनएल के पेंशनरों तथा पारिवारिक पेंशनरों के लिए त्रैमासिक पेंशन अदालत एवं जीवन प्रमाण-पत्र संग्रह शिविर के साथ एक कल्याण शिविर का आयोजन किया गया।

अक्षय गुप्ता, उप नियंत्रक संचार लेखा, पंजाब ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर पेंशन स्वीकृति तथा पेंशन वितरण से संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। पेंशन अदालत के दौरान, हरदीप कौर, लेखा अधिकारी ने अध्यक्ष अक्षय गुप्ता को अवगत कराया कि कार्यालय को कुल 9 पेंशन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 9 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया।

अपने मुख्य संबोधन में, अक्षय गुप्ता, उप नियंत्रक संचार लेखा, पंजाब ने कहा कि उनका कार्यालय भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को कुशल एवं समयबद्ध विभागीय पेंशन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे बताया कि त्रैमासिक पेंशन अदालत के अतिरिक्त, कार्यालय पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों के लिए विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है।

अध्यक्ष ने बताया कि कार्यालय द्वारा ऐसे काउंटर स्थापित किए गए हैं, जहां पेंशनर अपना जीवन प्रमाण-पत्र जमा कर सकते हैं, पेंशनर पहचान पत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं, तथा मोबाइल नंबर और पते के अद्यतन के लिए आवेदन दे सकते हैं ताकि उन्हें पेंशन अभिलेखों में अद्यतन किया जा सके।

अक्षय गुप्ता ने जोर देकर कहा कि जहां कार्यालय पेंशनरों को प्रभावी सेवाएं प्रदान कर रहा है, वहीं सेवाओं में और सुधार के लिए उनके सुझावों का भी स्वागत करता है। पेंशनरों को अपने बहुमूल्य सुझाव और प्रतिक्रिया साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पेंशनरों के लाभ के लिए निम्नलिखित सत्र आयोजित किए गए–

1. भारत सरकार के डिजी लॉकर पर जागरूकता वीडियो
2. उमंग एप्लिकेशन पर जागरूकता वीडियो
3. साइबर जागरूकता एवं डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव पर व्याख्यान
4. वरिष्ठ सलाहकार (नेत्र रोग विशेषज्ञ) द्वारा स्वास्थ्य वार्ता
5. डॉक्टर (डायटीशियन) द्वारा स्वास्थ्य वार्ता
6. दैनिक जीवन में योग अभ्यास पर व्याख्यान
7. जीवन प्रमाण-पत्रों का संग्रह
8. नो योर पेंशनर (KYP) प्रपत्रों और पहचान पत्र आवेदनों का संग्रह
9. प्रतिभागियों को पौधों के पौधों (पौधारोपण हेतु पौधे) का वितरण
10. पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों के साथ संवादात्मक सत्र

शिविर की मुख्य विशेषता उप नियंत्रक संचार लेखा, अक्षय गुप्ता के साथ एक-से-एक संवादात्मक सत्र रहा, जिसमें पेंशनरों को अपनी समस्याओं और सुझावों पर सीधे चर्चा करने का अवसर मिला।

त्रैमासिक पेंशन अदालत और कल्याण शिविर को पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों द्वारा अत्यंत सराहा गया। आभार और प्रशंसा व्यक्त करते हुए, पेंशनर्स एसोसिएशन, जालंधर के अध्यक्ष मनमोहन सिंह ने कहा कि एसोसिएशन और जालंधर जिले के पेंशनर CCA कार्यालय द्वारा प्रदान की जा रही त्वरित सेवाओं से संतुष्ट हैं।

राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण (एन.एच.आई.एस)

• जालंधर ब्रीज . चंडीगढ़

भारत सरकार समय-समय पर व्यक्तियों, परिवारों और प्रतिष्ठानों के मालिकों से जानकारी एकत्र करती है। इस प्रकार एकत्र किए गए डेटा का उपयोग राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर योजना और नीति निर्माण के लिए किया जाता है, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एनएसओ का फील्ड ऑपरेशन डिवीजन भारत सरकार के तहत सबसे बड़ा डेटा संग्रह निकाय है और सत्तर से अधिक वर्षों से राज्य सरकारों के साथ मिलकर डेटा संग्रह में लगा हुआ है।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

अपने अगले दौर (अप्रैल 2026 से मार्च 2026) के दौरान, एनएसओ 'राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण' पर चयनित परिवारों से डेटा एकत्र करेगा। (एन.एच.आई.एस) लोगों की जीवन स्थितियों और आय के पैटर्न के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। आर्थिक विश्लेषकों और नीति निर्माताओं ने आय वितरण पर जानकारी संकलित करने के तीन मुख्य उद्देश्य बताए हैं। पहला उद्देश्य यह समझने की इच्छा से प्रेरित है कि आय वितरण का पैटर्न आर्थिक गतिविधि के पैटर्न, श्रम, पूंजी और भूमि पर प्रतिफल और समाजों के संगठन के तरीके से कैसे संबंधित हो सकता है। दूसरा उद्देश्य नीति निर्माताओं की इस चिंता को दर्शाता है कि विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों पर सार्वभौमिक और सामाजिक रूप से लक्षित कार्यों की आवश्यकता का निर्धारण किया जाए और उनके प्रभाव का आकलन किया जाए। तीसरा उद्देश्य इस बात में रुचि है कि आय वितरण के विभिन्न पैटर्न घरेलू कल्याण और लोगों की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं को प्राप्त करने की क्षमता को कैसे प्रभावित करते हैं। घरेलू आय सर्वेक्षण में एकत्रित जानकारी का उपयोग मुख्य रूप से यह जानने के लिए किया जाएगा कि आय का वितरण जनसंख्या के विभिन्न वर्गों और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कैसे होता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा प्रणाली (एनएचआईएस) से प्राप्त आय के अनुमानों से संबंधित आंकड़े, व्यक्तिगत आय की तुलना करने और आय सृजन के स्रोतों और पैटर्न का विश्लेषण करने में सहायक होंगे।

यह सर्वे पूरे इंडियन यूनियन को कवर करेगा, सिवाय अंडमान और निकोबार आइलैंड के कुछ गांवों के, जहां पूरे साल पहुंचा नहीं जा सकता।

दीपक मैहरा, उप महानिदेशक, एनएसओ, चंडीगढ़ ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने विश्वसनीय और सटीक डेटा एकत्र करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि फील्ड स्टाफ द्वारा एकत्र किए गए विश्वसनीय डेटा से विकास, योजना और नीति निर्माण में मदद मिलेगी।

पूरे राज्य में 426 ड्रग हॉटस्पॉटों पर छापेमारी; 248 गिरफ्तार

युद्ध नशेयां विरुद्ध : पंजाब पुलिस ने 1 मार्च 2025 से अब तक 38 हजार से अधिक एफआईआरज़ दर्ज कर 54 हजार नशा तस्करों को किया गिरफ्तार; 2384 किलोग्राम हेरोइन, 715 किलोग्राम अफीम और 17 करोड़ रुपये की ड्रग मनी की बरामद

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने अपनी नशा विरोधी मुहिम के 383वें दिन गुरुवार को राज्य भर में चिन्हित ड्रग हॉटस्पॉटों - नशे और नशीले पदार्थों की बिक्री के स्थानों - पर राज्य स्तरीय घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (कासो) चलाया। यह घेराबंदी और तलाशी अभियान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाया गया। पंजाब पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) के वरिष्ठ अधिकारियों को इस अभियान की व्यक्तिगत निगरानी के लिए अलग-अलग जिलों में तैनात किया गया था। दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने राज्य भर में 426 ड्रग हॉटस्पॉटों पर छापेमारी की। इस दौरान 200 एफआईआरज़ दर्ज कर 248 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीमों ने गिरफ्तार नशा तस्करों के कब्जे से 710 ग्राम हेरोइन, 20 किलोग्राम भुक्की, 2655 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 14,150 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के कहा है। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ इस अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

विशेष डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला, जो इस अभियान की निजी तौर पर निगरानी कर रहे हैं, ने बताया कि 1 मार्च 2025 को शुरू की गई 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' मुहिम के तहत अब तक पूरे राज्य में 38,119 एफआईआरज़ दर्ज की गई हैं और 54,190 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों के कब्जे से 2384 किलोग्राम हेरोइन, 715 किलोग्राम अफीम, 303 क्विंटल भुक्की, 834 किलोग्राम गांजा, 51.35 लाख नशीली गोलियों/कैप्सूल, 36 किलोग्राम आईसीई और 17 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने 1.21 लाख व्यक्तियों को नशा मुक्ति या ओट केंद्रों में इलाज और पुनर्वास के लिए राज़ी किया है। इस दौरान 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के 58वें दिन पुलिस टीमों ने 4 हथियारों सहित 207 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियां 15,458 हो गई हैं। इसके अलावा 80 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 101 व्यक्तियों को सत्यापन के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने 6 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया।

जालंधर ग्रामीण पुलिस ने बड़े पैमाने पर चलाया आप्रेशन 'कासो'

जालंधर (जालंधर ब्रीज). जालंधर ग्रामीण पुलिस ने एमएफ फारूकी, आईपीएस, एडीजीपी एसएपी जालंधर और हरविंदर सिंह विर्क, एसएसपी जालंधर ग्रामीण के नेतृत्व में नशा-विरोधी अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में "कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन" चलाया। यह आप्रेशन मुकेश कुमार, पीपीएस, पुलिस कप्तान (स्थानीय), नरिंदर सिंह औजला, डीएसपी (उप-मंडल करतारपुर) और इंस्पेक्टर रमनदीप सिंह, एसएचओ पुलिस थाना करतारपुर की देखरेख में चलाया गया। इस अभियान के लिए लगभग 125 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। एमएफ फारूकी, आईपीएस, एडीजीपी एसएपी जालंधर ने बताया कि गुरुवार को जिले के सभी संवेदनशील और 'हॉटस्पॉट' क्षेत्रों में पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। उन्होंने आगे कहा कि नाहरपुर गांव और नशा-प्रभावित अन्य क्षेत्रों में तलाशी और चेकिंग अभियान चलाए गए। जालंधर ग्रामीण पुलिस ने 1 से 18 मार्च तक नशा-विरोधी अभियान के तहत कुल 402 छापे मारे और 187 लोगों को गिरफ्तार किया जबकि 60 आरोपी अभी भी फरार हैं। इस अवधि के दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत 104 मामले दर्ज किए गए और 122 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत 522 ग्राम हेरोइन, 20 किलोग्राम पोस्त के छिलके, 317 ग्राम चरस, 1922 टैबलेट/कैप्सूल और 17,800/- नशीले पदार्थों की बिक्री से मिली रकम बरामद की गई। इसके अलावा, आर्म्स एक्ट के तहत 04 मामले दर्ज किए गए, 05 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 02 पिस्तौल, 01 रिवॉल्वर, 04 कारतूस, 04 खाली खोल और 01 मोटरसाइकिल बरामद की गई। इसके अलावा एनडीपीएस एक्ट की धारा 64-A के तहत 39 नशा पीड़ितों को भर्ती करवाया गया, जबकि 140 लोगों को नशा मुक्ति केंद्रों और 374 लोगों को ओट केंद्रों में भेजा गया।

उचित ढंग से सुनिश्चित की जाएगी घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई : मोहिंदर भगत

कैबिनेट मंत्री ने जिला प्रशासन की टीमों को गैस एजेंसियों की लगातार जांच करने के निर्देश दिए

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए, जालंधर के निवासियों को घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई के दौरान किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करने दिया जाएगा और सप्लाई को उचित ढंग से सुनिश्चित किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ने जिला प्रशासन को इस संबंध में गैस एजेंसियों की लगातार जांच जारी रखने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को सिलेंडरों के वजन और बुकिंग प्रक्रिया आदि की जांच के लिए एक अभियान शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई उचित, पारदर्शी और समय पर हो सके।

भगत ने कालाबाजारी और अवैध जमाखोरी में शामिल लोगों को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री ने लोगों से यह भी अपील की कि वे घबराहट में अनावश्यक खरीदारी करने से बचें। भगत ने डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल के नेतृत्व वाले जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9646222555 के बारे में जानकारी दी और कहा कि गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के बारे में जानकारी इस हेल्पलाइन नंबर पर व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से भेजी जा सकती है।

ईद की नमाज के मद्देनजर चेयरमैन द्वारा उच्च अधिकारियों के साथ मीटिंग

जालंधर (जालंधर ब्रीज). ईद की नमाज के मद्देनजर पंजाब मुस्लिम वेलफेयर डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन अब्दुल बाहरी सलमानी के नेतृत्व में शहरी और देहाती क्षेत्रों की मस्जिदों के मुतवल्ली, प्रधान, सचिव तथा अन्य प्रमुख मुस्लिम प्रतिनिधियों की आज जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक हुई। यहां जिला प्रशासकीय कॉम्प्लेक्स में हुई बैठक के दौरान चेयरमैन अब्दुल बाहरी सलमानी ने संबंधित विभागों से जालंधर शहर और देहाती क्षेत्रों की मस्जिदों तथा ईदगाहों में नमाज के मद्देनजर जरूरी इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए कहा, ताकि ईद की नमाज उचित ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुचारू ट्रैफिक व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधों के अलावा सफाई, पीने का पानी, मोबाइल टॉयलेट समेत अन्य आवश्यक प्रबंध समय पर सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए, ताकि ईद की नमाज में शामिल होने वालों को कोई असुविधा न हो। बैठक के दौरान अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) अमनिंदर कौर ने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन ईद की नमाज को ध्यान में रखते हुए पुख्ता प्रबंध इंतजाम करेगा। बैठक में एसडीएम नवदीप सिंह के अलावा पुलिस, नगर निगम जालंधर तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी और पंजाब वक्फ बोर्ड के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह नेशनल मैराथन 22 मार्च को, ट्रैफिक के वैकल्पिक रूट जारी

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). पंजाब सरकार द्वारा शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह जी की शहादत को समर्पित 22 मार्च को माहिलपुर में आयोजित की जा रही नेशनल मैराथन को ध्यान में रखते हुए, जिला पुलिस ने लोगों की सुविधा के लिए वैकल्पिक ट्रैफिक रूटों का विवरण जारी किया है।

एसएसपी संदीप कुमार मलिक ने बताया कि राष्ट्रीय मैराथन वाले दिन स्वर्ण फार्म चौक चंडीगढ़ रोड से माहिलपुर की ओर जाने वाली सारी ट्रैफिक को पुरहीरां से मेहटियाणा होते हुए फगवाड़ा साइड डायवर्ट किया जाएगा। इसी तरह पुरहीरां बाईपास से माहिलपुर की ओर जाने वाली ट्रैफिक को भी मेहटियाणा-फगवाड़ा की ओर भेजा जाएगा। मेहटियाणा नहर के पास नाके से ट्रैफिक को फगवाड़ा की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इसी तरह कोट फतूही नहर से मेहटियाणा और फगवाड़ा की ओर ट्रैफिक भेजी जाएगी। नाका अड्डा चब्बेवाल से गांव ससोली साइड की ओर सारी ट्रैफिक डायवर्ट की जाएगी और नाका अड्डा जेजों से हिमाचल से आने वाली सारी ट्रैफिक गढ़शंकर और माहिलपुर की ओर प्रवेश नहीं कर सकेगी।

उल्लेखनीय है कि माहिलपुर अड्डे के निकट हीरा इलेक्ट्रॉनिक्स वाली गली से चब्बेवाल, होशियारपुर साइड की ओर सारी ट्रैफिक डायवर्ट की जाएगी। इसी तरह भूल्लेवाल गुजरां गेट के निकट जेजों रोड से चब्बेवाल, होशियारपुर की ओर ट्रैफिक भेजी जाएगी। गांव पद्दी सूरा सिंह में नाके से मोरांवाली नहर पुल रोड की ओर ट्रैफिक भेजी जाएगी। बंगा रोड गढ़शंकर के निकट चुंगी नाका से ट्रैफिक को नवांशहर रोड की ओर भेजा जाएगा और बंगा रोड गढ़शंकर से नवांशहर-चंडीगढ़ रोड-कोट फतूही रोड साइड की ओर ट्रैफिक डायवर्ट की जाएगी। इसी तरह नाका नवांशहर रोड गढ़शंकर से दोनों तरफ नवांशहर और चंडीगढ़ रोड साइड की ओर आवाजाही रहेगी। नाका चंडीगढ़ चौक गढ़शंकर से नवांशहर रोड और चंडीगढ़ रोड की ओर ट्रैफिक सुचारू रूप से चलेगी और नाका श्री आनंदपुर साहिब चौक गढ़शंकर से नवांशहर और चंडीगढ़ साइड की ओर ट्रैफिक चलेगी। उन्होंने बताया कि नाका नंगल रोड गढ़शंकर से नवांशहर रोड और चंडीगढ़ रोड की ओर ट्रैफिक जारी रहेगी।

विजिलेंस ब्यूरो ने फरवरी में रिश्वतखोरी के 14 मामलों में 18 व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही अपनी मुहिम के दौरान फरवरी महीने में 14 अलग-अलग ट्रैप मामलों के तहत 17 सरकारी अधिकारियों और एक निजी व्यक्ति को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने कहा कि विजिलेंस ब्यूरो ने इस दौरान सरकारी कर्मचारियों और हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास किया है।

प्रवक्ता ने बताया कि ब्यूरो ने पिछले महीने विभिन्न सक्षम अदालतों में 26 विजिलेंस मामलों से संबंधित चालान पेश किए। इसके अलावा भ्रष्टाचार के मामलों की गहन जांच के लिए 3 विजिलेंस जांचें भी दर्ज की गई हैं। प्रवक्ता ने आगे कहा कि 35 मुलजिमों के खिलाफ 9 आपराधिक मामले भी दर्ज किए गए, जिनमें 11 सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। प्रवक्ता ने कहा कि विभिन्न सक्षम अदालतों ने पिछले महीने के दौरान ब्यूरो द्वारा दायर किए गए और लड़े गए रिश्वतखोरी के 4 मामलों का फैसला सुनाया, जिसमें चार व्यक्तियों को दोषी ठहराया गया और साढ़े तीन साल से चार साल तक की कैद तथा 10,000 रुपये से लेकर 50,000 रुपये तक के जुर्माने की सजा सुनाई गई।

जालंधर से संबंधित 3 महिला उद्यमियों को पंजाब सरकार उद्यमी महिला सम्मान

जालंधर (जालंधर ब्रीज). महिला उद्यमियों को सम्मानित करने के लिए मोहाली में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से सम्मान प्राप्त करने वाली महिला उद्यमियों में ज़िला जालंधर से जुड़ी 3 महिला उद्यमी भी शामिल है। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास) दिव्या पी. ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य स्तरीय समारोह के दौरान पूजा पुत्री संजीव कुमार, निवासी पिंड भंगाला, ब्लॉक नूरमहल कोडिजिटल कैटेगरी के लिए, अंजलि पुत्री नछत्तर, निवासी गांव पूनिया, ब्लॉक शाहकोट को सेवा टू सेल्फ रिलायंस कैटेगरी के लिए तथा मोनिका पुत्री गुरमेल सिंह, निवासी पिंड मानको, ब्लॉक आदमपुर को सेवा टू सेल्फ रिलायंस कैटेगरी में उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य के लिए सम्मान मिला है। इन महिला उद्यमियों को सरकार की ओर से सम्मान पत्र, ट्रॉफी और 25,000-25,000 रुपये का चेक सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले विभाग की हिदायतों के अनुसार हल्का स्तर और ज़िला स्तर पर भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समारोह आयोजित किए गए थे, जिनमें विभिन्न कैटेगरीज़ में बेहतरीन कार्य करने वाली 100-100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया था।

पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'रिसर्च फेस्ट 2026' का आयोजन

बठिंडा (जालंधर ब्रीज). समाज से जुड़े शोध को बढ़ावा देने और युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू पंजाब), बठिंडा में बीआईआरएसी समर्थित ई-युवा केंद्र का उद्घाटन समारोह तथा डीएसटी-पर्स के तत्वावधान में "रिसर्च फेस्ट" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने मुख्य अतिथि प्रो. रतन गुप्ता, कार्यकारी निदेशक, एम्स बठिंडा के साथ ई-युवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, वरिष्ठ संकाय सदस्य एवं ई-युवा केंद्र के कर्मचारी उपस्थित रहे। डीन इंचार्ज अकादमिक प्रो. रामकृष्ण वुसिरिका ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ई-युवा पहल छात्रों में नवाचार एवं शोध-आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अतिथियों ने केंद्र की सेल कल्चर सुविधा, बायोसेफ्टी कैबिनेट तथा मॉलिक्यूलर बायोलॉजी प्रयोगशालाओं का अवलोकन भी किया। इसके पश्चात अतिथियों ने रिसर्च फेस्ट 2026 का निरीक्षण किया, जहां 25 से अधिक शोध समूहों में 100 से अधिक शोधार्थियों ने पोस्टर एवं प्रदर्शनों के माध्यम से अपने शोध कार्यों एवं उनके सामाजिक प्रभाव को प्रस्तुत किया।

रिमोट सेंसिंग और भूभौतिकीय इमेजिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला सीएपी-जीईओ 2026 का आयोजन

मोहाली (जालंधर ब्रीज). भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) मोहाली के पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान (ईईएस) विभाग ने 16 से 18 मार्च, 2026 तक 'सीएपी-जीईओ 2026 : प्राकृतिक आपदाओं और संसाधन मानचित्रण के लिए रिमोट सेंसिंग और भूभौतिकीय इमेजिंग में क्षमता निर्माण' शीर्षक से तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यवाहक निदेशक और संकाय के डीन प्रो. पूर्णानंद गुप्तशर्मा ने 16 मार्च को कार्यशाला का उद्घाटन किया और आगे बढ़ने के लिए अंतःविषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। सीएपी-जीईओ 2026 को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। आईआईएसईआर मोहाली के पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रमुख ने बताया कि छात्रों और संकाय सदस्यों की प्रतिक्रिया इतनी उत्साहजनक थी कि घोषणा के तीन दिनों के भीतर ही पंजीकरण बंद करने पड़े। इस कार्यशाला में भारत भर के शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संगठनों और उद्योग जगत के पीएचडी शोधार्थी, स्नातकोत्तर छात्र, संकाय सदस्य, वैज्ञानिक और पेशेवर प्रतिभागी शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भारत इलेक्ट्रिसिटी सम्मिट 2026 में एनएचपीसी पवेलियन का उद्घाटन किया

फरीदाबाद (जालंधर ब्रीज). केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 19 मार्च को नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी सम्मिट 2026 में एनएचपीसी पवेलियन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री, श्रीपाद नाईक, विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री, पंकज अग्रवाल, सचिव (विद्युत), भारत सरकार, भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), संजय कुमार सिंह, निदेशक (परियोजनाएं), सुप्रकाश अधिकारी, निदेशक (तकनीकी) तथा महेश कुमार शर्मा, निदेशक (वित्त) भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

अपने दौरे के दौरान मंत्री को एनएचपीसी द्वारा किए जा रहे विभिन्न पहलों की जानकारी दी गई, विशेष रूप से जलविद्युत विकास, नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार तथा सतत अवसंरचना के क्षेत्रों में। एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने संगठन की वर्तमान एवं आगामी परियोजनाओं, तकनीकी प्रगति तथा भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में संक्रमण को समर्थन देने में इसके योगदान पर प्रकाश डाला।

बाजवा ने दोषी ठहराए गए विधायक को बचाने पर आप सरकार को घेरा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सरकार अपने विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा को, जिसे 19 वर्षीय दलित लड़की के साथ छेड़छाड़ और हमले के गंभीर मामले में दोषी ठहराया गया है, अयोग्य घोषित करने में विफल रही है। बाजवा ने कहा कि सरकार की चुप्पी उसके महिला सुरक्षा और दलित अधिकारों पर दोहरे मापदंडों को उजागर करती है। बाजवा ने डिप्टी स्पीकर नेता अरुणा चौधरी के साथ 13 मार्च को स्पीकर कुलतार सिंह संधवां को पत्र लिखकर लालपुरा की तत्काल अयोग्यता की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार बार-बार दागी नेताओं को संरक्षण देती रही है। बाजवा ने कहा कि अमरगढ़ के विधायक को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. विजय सिंगला को भ्रष्टाचार के आरोपों पर हटाया गया, मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह की संपत्तियों की मनी लॉन्ड्रिंग जांच में कुर्क किया गया और मौड़ के विधायक अमित रत्तन कोटफत्ता को कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। किसी भी मामले में उचित जांच नहीं हुई और किसी को दोषी नहीं ठहराया गया।

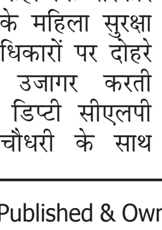

'सनराइजर्स हैदराबाद' की कमान अब ईशान किशन के हाथों में

स्पोर्ट्स डेस्क. सनराइजर्स हैदराबाद ने भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन को आईपीएल 2026 के शुरुआती मुकाबलों के लिए अंतरिम कप्तान नियुक्त किया जबकि अभिषेक शर्मा उप कप्तान होंगे। यह फैसला इसलिए किया गया क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस चोट से उबर रहे हैं। कमिंस पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट के कारण टीम से बाहर हैं। इसी चोट की वजह से वह पिछली एशेज श्रृंखला के अधिकतर मुकाबलों और टी20 विश्व कप में भी नहीं खेल पाए थे।

फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर बताया, "पैट कमिंस चोट से उबरने की प्रक्रिया के दौरान कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। जब तक वह ठीक नहीं हो जाते तब तक इशान किशन कप्तान और अभिषेक शर्मा उप कप्तान रहेंगे।" हालांकि आईपीएल 2016 के विजेता सनराइजर्स ने यह साफ नहीं किया कि कमिंस कितने मैच नहीं खेल पाएंगे। सनराइजर्स ने सभी प्रारूपों में अच्छे प्रदर्शन के बाद इशान को कार्यवाहक कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप में भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। वह टूर्नामेंट में चौथे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने नौ मैच में 199.37 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए। उनका औसत 80.25 रहा और उन्होंने तीन अर्धशतक भी जड़े। बल्ले से शानदार प्रदर्शन की बदौलत इशान आईसीसी की टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस रैंकिंग में अभिषेक पहले स्थान पर हैं। इस सत्र की शुरुआत में इशान ने झारखंड टीम की कप्तानी करते हुए उसे भारत के शीर्ष घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में पहली बार खिताब दिलाया था।

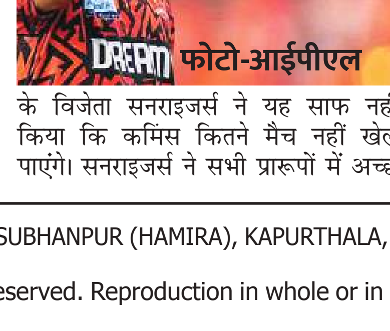

फोटो-आईपीएल

साइंस सिटी में इनोटेक 2026 का आयोजन

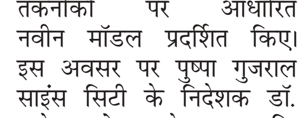

कपूरथला (जालंधर ब्रीज). पुष्पा गुजराल साइंस सिटी द्वारा आईकेजी पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी के सहयोग से साइंस सिटी के 20वें स्थापना दिवस पर इनोटेक 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब भर के इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के 400 से अधिक छात्रों ने आधुनिक तकनीकों पर आधारित नवीन मॉडल प्रदर्शित किए। इस अवसर पर पुष्पा गुजराल साइंस सिटी के निदेशक डॉ. राजेश ग्रोवर ने कहा कि वैश्वीकरण के युग में देश के सतत विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए नवाचार मुख्य प्रेरक शक्ति है। व्यक्तिगत स्तर पर, नए युग की जटिल और महंगी प्रक्रियाओं को सरल और सस्ता बनाने की ओर अग्रसर हैं। इसके परिणामस्वरूप, नए क्षेत्र, प्रौद्योगिकियां और अवसर पैदा होते हैं, जो देश के सतत विकास को सुनिश्चित करते हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब के निवासी, विशेषकर गांवों में रहने वाले लोग, अपने नवाचार और रचनात्मकता के लिए जाने जाते हैं, इस लिए, पंजाब के युवाओं के कौशल और कला को निखारने के लिए एक उपयुक्त मंच तैयार करना समय की मांग है। इस अवसर पर युवा इंजीनियरों को संबोधित करते हुए साइंस सिटी के वैज्ञानिक-डी इंजीनियरिंग रितेश पाठक ने कहा कि प्रोफेशनल कॉलेजों के छात्रों से वर्किंग मॉडल तैयार करवाकर उन्हें नवाचार और रचनात्मकता की ओर प्रोत्साहित करने की आशा से यह कार्यक्रम हर साल आयोजित किया जाता है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.